चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	17.5.24	12	5-6

भूमि संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी

- 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। पौधरोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में पौधरोपण जरूरी है। पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सख्या में पौधरोपण करना चाहिए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज गुरुवार को 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर एग्री-टूरिज्म सेंटर में पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। प्रो. कम्बोज ने बताया कि एग्री-टूरिज्म सेंटर को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। साथ ही एग्री-इको पर्यटन से लेकर शैक्षणिक मूल्यों के प्रति दूसरों को प्रेरित करना है। इसके अलावा स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थियों को जैव-विविधता के बारे में जानने का भी अवसर मिलेगा। एग्री-टूरिज्म सेंटर (कृषि पर्यटन केंद्र) को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में फूड कोर्ट व ट्री-हाउस जैसे कई अन्य आकर्षण भी जोड़े जा रहे हैं। वनस्पति विज्ञान और पादप शरीर क्रिया विज्ञान में देशी और विदेशी पौधों की प्रजातियों का संग्रह किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	17.5.24	3	1-3

पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 16 मई (ब्यूरो): जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में पौधारोपण जरूरी है। पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्त्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सख्या में पौधारोपण करना चाहिए।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर एग्री-टूरिज्म सैंटर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	17.5.24	5	6-8

पर्यावरण व भूमि संरक्षण हेतु पौधारोपण ज़रूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 16 मई (विरेन्द्र वर्मा): जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सखंया में पौधारोपण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर एग्री-टूरिज्म सैंटर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि एग्री-टूरिज्म सेंटर को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। साथ ही एग्री-इको पर्यटन से लेकर शैक्षणिक मूल्यों के प्रति दूसरों को प्रेरित करना है। इसके अलावा स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थियों को जैव-विविधता के बारे में जानने का भी अवसर मिलेगा। एग्री-टूरिज्म सेंटर (कृषि पर्यटन केंद्र) को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में फूड कोर्ट व ट्री-हाउस जैसे कई अन्य आकर्षण भी जोड़े जा रहे हैं।

पौधारोपण करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

17वें विश्व एग्री-टूरिज़्म दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

वनस्पति विज्ञान और पादप शरीर क्रिया विज्ञान में देशी और विदेशी पौधों की प्रजातियों का संग्रह किया गया है। जैव-विविधता वाले लगभग 550 पौधों की प्रजातियां यहां देखी जा सकती हैं। यह जैव-विविधता शैक्षिक अनुसंधान का स्रोत है और आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र भी है। एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि सेंटर में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं व यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा यहां फल-फूल व सब्जियों के पौधे भी बिक्री हेतु मौसम अनुसार उपलब्ध करवाए जाते हैं। पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन एग्री-टूरिज्म सेंटर व भू-दृश्य सरंचना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। भू-दृश्य सरंचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि महत्वपूर्ण अवसरों पर हमें अवश्य पौधरोपण करना चाहिए। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरुकता आएगी। इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व गैरशिक्षक कर्मचारियों ने भी पौधारोपण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	17.5.24	4	7-8

पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी : वीसी

पौधारोपण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। • पीआरओ

जासं • हिसार : जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर एग्री-टूरिज्म सेंटर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डा. अरविंद मलिक ने बताया कि यहां फल-फूल व सब्जियों के पौधे भी बिक्री हेतु मौसम अनुसार उपलब्ध करवाए जाते हैं। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डा. पवन कुमार ने कहा कि महत्वपूर्ण अवसरों पर हमें अवश्य पौधरोपण करना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	16.05.2024	--	--

पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में पौधारोपण जरूरी : प्रो. बीआर कम्बोज

14hr · 1 shares

17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 16 मई (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है।

पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में पौधारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सख्ंया में पौधारोपण करना चाहिए।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज गुरुवार को 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर एग्री-टूरिज्म सेंटर में वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	16.05.2024	--	--

विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करना चाहिए। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर एग्री-टूरिज्म सैंटर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि सेंटर में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं व यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व गैरशिक्षक कर्मचारियों ने भी पौधारोपण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	16.05.2024	--	--

पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी : प्रो.काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 16 मई। जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में पौधारोपण जरूरी है। पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर एग्री-टूरिज्म सैंटर में पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि सेंटर में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं व यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा यहां फल-फूल व सब्जियों के पौधे भी बिक्री हेतु मौसम अनुसार उपलब्ध करवाए जाते हैं। पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन एग्री-टूरिज्म सेंटर व भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि महत्वपूर्ण अवसरों पर हमें अवश्य पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में वृक्षों के प्रति जागरूकता आएगी। इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व गैरशिक्षक कर्मचारियों ने भी पौधारोपण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	17.5.24	6	1

विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस पर किया पौधारोपण

हिसार, 16 मई (हप्र)

जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे 17वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम में बोल रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16.5.24	5	1-4

चौ.च.सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ

हिसार, 15 मई (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की यह प्रक्रिया 10 जून 2024 तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 2+4 वर्षीय बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर में दाखिला दसवीं के बाद एग्रीकल्चर एप्टीट्यूड टेस्ट जबकि चार वर्षीय पाठ्यक्रम जिसमें बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर, बीएफएससी (बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस), बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी सांइस व बीएससी (आनर्स) एग्रीबिजनेस मैनेजमैंट में दाखिले के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा। बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग) व बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एलईईटी) में दाखिला हरियाणा राज्य काउंसलिंग सोसायटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेस टेस्ट(मैन)2024 और एलईईटी 2024 की मेरिट के आधार पर होगा।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में भी दाखिला कॉमन एंट्रेस टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होने बताया कि कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्री.मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फरूट सांइस/फलोरिकल्चरल एंड लेंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलोजी, प्लांट पैथोलॉजी, प्लांट प्रोटेक्शन-इंटोमोलॉजी, सीड साइंस एवं टेक्नोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरेस्ट्री, सायल साइंस, वेजीटेबल साइंस, पीएचडी इन एग्रीबिजनेस मेनेजमेंट व बिजनेस मैनेजमेंट शामिल है। मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय में बायो-केमिस्ट्री, केमिस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैथेमेटिक्स, माइक्रो-बायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिसटिक्स व जूलॉजी कोर्स शामिल है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपारेल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड एंड न्यूट्रिशियन, ह्यूमन डेवलेपमेंट एंड फैमिली स्ट्डीज व रिसोर्स मैनेजमेंट एंड कन्ज्यूमर साइंस कोर्सिज शामिल है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, रिन्यूऐबल एनर्जी इंजीनियरिंग व प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग कोर्स शामिल है। कॉलेज आफ बायो-टेक्नोलॉजी में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफोरमेटिक्स व मोलेक्यूलर बायोलॉजी एंड बायो-टेक्नोलॉजी जबकि पीएचडी के लिए बायोइंफोरमेटिक्स व मोलेक्यूलर बायोलॉजी एंड बायो-टेक्नोलॉजी कोर्सिज़ के लिए इच्छुक विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस में एक्काकल्चर, एक्काटिक एनिमल हेल्थ मैनेजमेंट, फिश प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, फिशरीज रिसोर्स मैनेजमेंट, एक्काटिक एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट, फिश इंजीनियरिंग, फिशरीज एक्सटेंशन व फिशरीज इकोनॉमिक्स विषय शामिल हैं। कुलपति ने बताया कि सीएसआईआर-यूजीसी-जेआरएफ व आईसीएआर के विद्यार्थियों के अलावा पीएचडी में दाखिलें दूसरे सेमेस्टर (2024-25) में होंगे। इसी प्रकार इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रीन्यूरशिप, गुरुग्राम में एमबीए एग्री-बिजनेस, एमबीए जनरल, मास्टर्स इन रुरल मैनेजमेंट व पीएचडी इन रुरल मैनेजमेंट विषय शामिल है। कृषि महाविद्यालय, हिसार के बिजनेस मैनेजमेंट विभाग में एमबीए जनरल व एमबीए एग्री-बिजनेस कोर्सिज शामिल है।

कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पीजी डिप्लोमा प्रोग्राम में कम्यूनिकेशन स्किल इन इंगलिश, इंगलिश-हिंदी ट्रांसलेशन, रिमोट सेसिंग एंड जियोग्रेफिकल इनफोरमेशन सिस्टम एप्लीकेशन इन एग्रीकल्चर एंड इन्वायरमेंट कोर्सिज भी शामिल है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए उम्मीदवार हरियाणा प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन फार्म एवं प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए आवेदन की फीस 1500 रुपये जबकि अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवारों के लिए 375 रूपये होगी। इसके अलावा उपलब्ध सीटों की संख्या, महत्वपूर्ण तिथियां, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि संबंधी सभी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोस्पेक्टस में मौजूद होंगी।